नीलकण्ठ

ये सब नीलकण्ठ की तस्वीरें हैं। नीलकण्ठ यानी वह जिसका कण्ठ या गला नीला हो। पर यहाँ सभी नीलकण्ठ सचमुच में नीलकण्ठ नहीं हैं। हमारे यहाँ पाए जाने वाले नीलकण्ठ (इण्डियन रोलर) का गला नीला नहीं होता है। इन्हें अकसर बिजली के तारों पर या पेड़ों पर देखा जा सकता है।

नीले गले वाले नीलकण्ठ को कश्मीर रोलर या यूरोपियन रोलर कहा जाता है। ये पश्चिमी भारत में दशहरे के आसपास लगभग दो महीनों के लिए प्रवास करते हैं। शायद यह प्रवासी नीलकण्ठ ही है जिसे दशहरे पर देखना अच्छा माना जाता है। इस दिन इसे देखते हुए यह गीत भी गुनगुनाया जाता है....

नीलकण्ठ तुम नीले रहियो
दूध-भात को भोजन करियो
हमरी खबर भगवान से कहियो
तुम नीले रहियो

फोटोः पी. एम. लाड

कागज़ की सीटी

1. पोस्टकार्ड के आकार का पतला कागज़ लो। और बीच से मोड़कर खोल लो।
2. चित्र को देखकर खाई व पहाड़ी मोड़ बना लो। कुछ इस तरह की आकृति बनेगी।
3. अब बीच वाले के मोड़ के लगभग बीचोंबीच एक गोला बना लो और कैंची की मदद से उसे काट लो।
4. लो हो गई कागज़ की सीटी तैयार। बस अब देर किस बात की है सीटी उठाओ और शुरू हो जाओ।

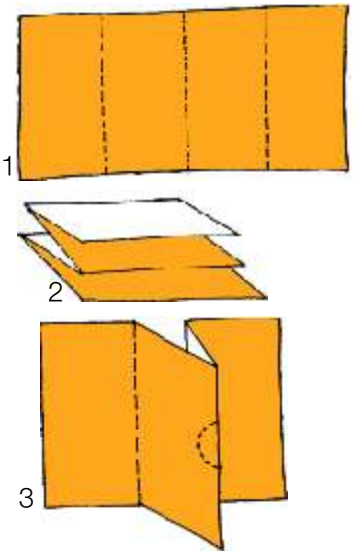

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर